

Serial No. 30 Date 25/5/69
 Stamp Duty paid Rs.
 Regn. Fee charged Rs.
 Date & Signature
 with full name and Designation
 (Seal & Signature of the Officer)
 (Seal & Signature of the Officer)

फार्म-1

हस्तांतरण विलेख

यह हस्तांतरण विलेख, एक पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति, जिन्हें इसमें आगे "विक्रेता" कहा गया है (इसके अन्तर्गत, जब तक कि संदर्भ से अपवर्जित या उसके विरुद्ध नहीं है, उनके पदोन्नतवर्ती और समनुवर्ती भी समझे जाएंगे) और दूसरे पक्षकार के रूप में श्री/श्रीमती

का पुत्र/की पुत्री/पत्नी/विधवा है और का/की निवासी है, जिसे/जिन्हें इसमें आगे "क्रेता" कहा गया है (इसके अन्तर्गत, जब तक कि संदर्भ से अपवर्जित या उसके विरुद्ध नहीं है, उसके/उनके चारित्र, प्रशासक, प्रतिनिधि और अनुगत समनुवर्ती भी समझे जाएंगे) के बीच जारी किया गया।

2. एक पक्षकार के रूप में विक्रेता, जिसे इसमें पट्टाकर्ता कहा गया है और दूसरे पक्षकार के रूप में श्री/श्रीमती के पुत्र श्री/श्रीमती जिसे इसमें आगे पट्टाधारी कहा गया है के बीच जारी किया गया है। को दिए गये शाश्वत पट्टा करार विलेख द्वारा जो उप-रजिस्टर, दिल्ली के जिले में बही सं. जिल्ह सं. पृष्ठ सं. से पर क्रम सं. पर रजिस्ट्री को रजिस्ट्रीकृत है (जिसे इसमें आगे उक्त "पट्टा विलेख" कहा गया है) तथा श्री/श्रीमती में स्थित मीटर या लगभग के भूखण्ड या भूमि का टुकड़ा है तथा जो उक्त पट्टा विलेख की अनुसूची में अधिक स्पष्ट रूप से वर्णित है, उक्त पट्टा विलेख में उल्लिखित निर्बंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए वर्ष की अवधि के लिए, पट्टे के रूप में श्री/श्रीमती को (जिसे इसमें आगे "मूल पट्टेधार" कहा गया है) पट्टांतरित और हस्तांतरित किया गया था।

3. और जारी सं. के हस्तांतरण/प्रतिस्थापन पर सं. द्वारा क्रेता का/के नाम लिखी गयी हस्तांतरित किया गया था/किए गए थे और उसे/उन्हें, उक्त पट्टा विलेख के अधीन पट्टा-धारक के सभी अधिकारों और पारितोषों के साथ वर्तमान पट्टेधार के रूप में अभिलिखित किया गया है।

4. और पट्टाकर्ता द्वारा उपरोक्त रूप में पट्टेधार के नाम के हस्तांतरण/प्रतिस्थापन के प्रति किसी व्यक्ति ने आपत्ति नहीं की है या मूल पट्टेधार या उसके माध्यम से राया करने वाले किसी अन्य व्यक्ति का हित उत्तराधिकारी होने का किसी भी रीति में राया नहीं किया है।

Form-I
CONVEYANCE DEED

This Conveyance Deed made on this the 2nd day of Feb Two thousand one between the President of India, hereinafter called "the Vendor" (which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, be deemed to include this successors in office and assigns) of the one part and Shri/Smt. Shanti Dhingra, W/o. Late Sh. Uday Nath Dhingra R/o. M-54, Kalkaji, New Delhi son/daughter/wife/widow of Shri whereinafter called " the Purchaser(s)" (which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, be deemed to include, his/her/their heirs, administrators, representative and permitted assigns) of the other part.

2. Whereas by an Indenture of Perpetual Lease dated the 30th day of Nov, One thousand nine hundred and Sixty Three made between the Vendor described therein as Lessor of the one part and Sh. Bhola Nath S/O Sh. Ganga Ram of Lessee of the other part and registered on 6-1-64 in the Office of the Sub-Registrar Delhi at Serial No 7 in Book No. I Volume No. 1073 at pages 1 to 3 (hereinafter referred to as the "said Lease Deed") a piece and parcel of land admeasuring 15.17 sq meters or thereabout situated in Kalkaji, New Delhi and more particularly described in the schedule to the said Lease deed was demised and assured unto Sh. Bhola Nath (hereinafter called "the original lessee") by way of the lease for a period of 99 years subject to the terms & conditions mentioned in the said Lease Deed.

3. AND WHEREAS by mutation / substitution letter No. dated the name / names of Purchaser(s) was/ were lastly mutated and he / she / they has /have been recorded as the Present Lessee(s) under the said Lease Deed with all rights and liabilities of the Lease under the said Lease Deed.

4. AND WHEREAS no person has objected to the mutation/substitution of the names of the Lease above made by the Lessor or has in any other manner claimed to be the successor in interests of the original Lessee or of any other person claiming through the Original Lessee.



Shanti Dhingra
Ch

5. और विक्रेता ने, तारीख 15-4-92 को दिल्ली के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित लोक सूचना द्वारा जिसे इसमें इसके पश्चात् लोक सूचना कहा गया है, उसमें अंतर्विष्ट कतिपय निबंधनों और शर्तों पर दिल्ली/नई दिल्ली में पट्टा सम्पत्तियों की बाबत अन्य बातों के साथ-साथ पूर्ण स्वामित्व अधिकार प्रदान करने के अपने विनिर्णय की घोषणा की है।

6. क्रेता ने तारीख ----- के मुखतालागा के अधीन नियुक्त अपने अटार्नी के माध्यम से ऊपर निर्दिष्ट तारीख 15-4-92 को लोक सूचना के प्रत्युत्तर में, उक्त पट्टांतरित परिसर में विक्रेता के अधिकारों और हितों का क्रय करके उक्त पट्टांतरित परिसर की बाबत पूर्ण स्वामित्व अधिकार प्रदान किये जाने के लिए आवेदन किया है तथा विक्रेता, इसमें इसके पश्चात् आने वाले निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त पट्टांतरित परिसर में अपने सभी अवशिष्ट और उत्तराधिकारी अधिकारों और हितों का विक्रय करने के लिए सहमत हो गया है।

7. इसमें इसके पूर्व विलेख के अनुसरण में यह करार इस बात का साक्षी है कि इसके निष्पादन के पूर्व संदत्त रूप से (कथल ----- रूप से) की राशि के प्रतिफलस्वरूप (जिसकी प्राप्ति विक्रेता इसके द्वारा स्वीकार और अस्वीकार करता है) तथा इसमें इसके पश्चात् उल्लिखित सीमाओं, प्रसविदाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए, विक्रेता उक्त पट्टांतरित सम्पत्ति में सभी अवशिष्ट और उत्तराधिकारी अधिकार/हक और उक्त पट्टा विलेख के अधीन पट्टाकर्ता के हित, जिन्हें उक्त पट्टा विलेख तथा इसमें की अनुसूची में और अधिक रूप से वर्णित किया गया है क्रेता द्वारा अनन्य रूप से संदेय रखने और धारित करने के लिए क्रेता का प्रदत्त, हस्तांतरित, विक्रय, अंतरित, समनुदेयित, निर्मुक्त और अभिहस्तांतरित करता है : परन्तु यह हमेशा इस अपवाद के अध्याधीन होगा कि विक्रेता उक्त सम्पत्ति में या उसके नीचे की सभी खानों, खनिजों, कोयले, गैलड वारिंग, खनिज तेलों तथा किसी भी प्रकार के खदानों को अपने पास आरक्षित रखता है और भूमि की सतह को या तत्समय इस पर खड़े किसी मकान को कोई उर्ध्वाधर सम्बन्ध दिये बिना या छोड़े बिना, उनकी तलारा करने, खनन किया करने, उनको अभिप्राप्त करने, उन्हें से आने और उनका उपयोग करने के लिए विक्रेता को, उसके अधिकारियों और कर्मचारियों को वे सभी कार्य या बात करने का पूर्ण अधिकार और शक्ति प्राप्त होगी जो इसके लिए आवश्यक या समीचीन हो, परन्तु संदेय यह कि विक्रेता संदेय सम्पत्ति कर या अन्य अधिरोपण के, जो उक्त सम्पत्ति की बाबत वैध रूप से संदेय हो जाए, और उस पर प्रभाव डालने वाले सभी लोक अधिकारों या सुखाचारों के अधीन रहते हुए, इसमें आरक्षित सभी या किन्हीं अधिकारों के प्रयोग के कारण उसको प्रत्यक्षतः हुए सभी नुकसान के लिए या उसके द्वारा उसको हुए किसी नुकसान के लिए क्रेता का व्यक्तिगत प्रतिकर देगा।

8. यह भी घोषणा की जाती है कि इस विलेख के स्वरूप और इसमें पूर्वोक्त शर्तों और प्रसविदाओं के अधीन रहते हुए, क्रेता इसमें इसके पूर्व वर्णित तारीख से उक्त सम्पत्ति का/के स्वामी हो जाएगा/जाएंगे और विक्रेता, उक्त पट्टा विलेख में अंतर्विष्ट प्रसविदाओं और शर्तों द्वारा आरक्षित किराये की बाबत सभी भावी राशियों से अवमुक्त करता है जिनका उक्त पट्टांतरित सम्पत्ति के पट्टेदार के रूप में क्रेताओं द्वारा पालन किया जाना अपेक्षित है।

5. AND WHEREAS the vendor herein by a public Notice published in prominent newspapers of Delhi dated 15-4-92 hereinafter referred to as Public Notice, has announced his decision *inter alia*, to grant free hold rights in respect of the lease properties in Delhi/ New Delhi on certain terms & condition therein.

6. AND WHEREAS the Purchaser herein in response to the Public Notice dated 15-4-92 referred to above has /acting through his attorney appointed under Power of Attorney dated applied to the Vendor for grant of free hold rights in respect of the said demised premises by purchasing the rights and interests of the Vendor in the said demised premises and the vendor has agreed to sell all his residuary & reversionary rights and interests in the said demised premises subject to the terms and conditions appearing hereinafter.

7. NOW IN THE PREMISES HEREIN BEFORE THIS INDENTURE witnesses that in consideration of the sum of Rs. 21,673/- (Rupees Twenty Seven Thousand Six Hundred Seventy Three) was paid before the execution hereof (the receipt whereof the Vendor hereby admits and acknowledges) and subject to the limitations, covenants and condition mentioned hereinafter the Vendor doth hereby grants conveys, sells, transfers, assigns, releases and assures unto the Purchaser(s) all the residuary reversionary rights, title and interests of the lessor under the said lease Deed in the demised property more fully described in the said Lease Deed as well as in the schedule hereunder together with all remainders, rents issues and profits thereof hereinafter referred to as the said property TO HAVE AND TO HOLD the same unto the Purchaser(s) and for ever, subject always to the exception that the Vendor reserves unto himself all mines, minerals, gold washings, earth oils and quarries of whatever nature lying in or under the said property together with full right and power at all times for the Vendor, its agents and workmen, to do all acts and things which be necessary or expedient for the purpose of searching for, working, obtaining, removing and disposing of the same without providing or leaving any vertical support for the surface of the land or for any building for the time being standing thereon provided always that the Vendor shall make reasonable compensation to the Purchaser(s) for all damages directly occasioned by the exercise of the rights hereby reserved or any of them for damage done unto him thereby subject to the payment of property tax or other imposition payable or which may become lawfully payable in respect of said property and to all public rights or easement affecting the same.

8. It is further declared that as a result of these presents and subject to the conditions and covenants stated herein above, the Purchaser(s) from the date mentioned hereabove will become owner of the said property and the Vendor doth hereby releases the Purchaser(s) from all future liability in respect of the rent reserved but the covenants and conditions contained in the said Lease Deed required to be observed by the Purchaser(s) as a Lessee of the said demised property.



Shakti Dhillon
Bis

9. परन्तु सदैव यह कि क्रेता(ओ) द्वारा यह करार किया जाता है कि यदि बाद में यह पता चलता है कि उक्त पट्टा विलेख के अधीन पट्टेदार के रूप में क्रेता उक्त पट्टा विलेख के अधीन पट्टाकर्ता को किसी रकम का सदाय करने के लिए दायी था/थे किन्तु जिसका सदाय इस विलेख के निष्पादन के पूर्व या निष्पादन के समय नहीं किया जा सका था तो विक्रेता का ऐसी रकम के लिए उक्त सम्पत्ति पर प्रथम प्रचार होगा।

10. इस विलेख पर स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रीकरण प्रचार यदि कोई हो, क्रेता(ओ) द्वारा वहन किए जाएंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति की विविधियाँ -----

उत्तर में -----

पूर्व में -----

दक्षिण में -----

पश्चिम में -----

इसके साथ स्वरूप

श्री/श्रीमती ----- क्रेता(ओ)

और

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से

श्री/श्रीमती -----

नाम एवं पदनाम

भूमि तथा विकास कार्यालय,
राष्ट्रीय विकास एवं गरीबी उपसमन मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली में
ऊपर सर्वप्रथम लिखित तारीख को अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षी :

1. श्री/श्रीमती -----

2. श्री/श्रीमती -----



PS No. PS-001/448 dated 13/2/2001
Certified that the stamp is properly
stamped under the provisions of the Indian
Stamp Act, 1899.
Total
dep.
R.
date.

Govt. of N. Delhi
Parliament Street,
New Delhi
No. 110011



9. PROVIDED ALWAYS and it is hereby agreed by the purchaser(s) that if it comes to light at any later date that Purchaser(s) as Lessee(s) under the said Lease Deed was/were liable to pay any amount to the lessor under the said Lease Deed but payment of which could not be made before or at the time of execution of these presents then for such amount the Vendor will have the first charge over the said property.

10. The Stamp Duty and registration charges, if any, upon this instrument shall be borne by the Purchaser(s).

SCHEDULE

Particulars of property N-14, S-1, Kalkaji, New Delhi
 Bounded on the North
 Bounded on the East As per lease deed
 Bounded on the South
 Bounded on the West

IN WITNESS WHEREOF

Shri/Smt. Shanti Dhingra Shanti Dhingra the Purchaser(s)

AND

1. Shri/Smt.

Name & Designation

Land & Development Office,
 Ministry of Urban Affairs and Poverty Alleviation,
 Govt. of India, New Delhi
 For & on behalf of President of India.

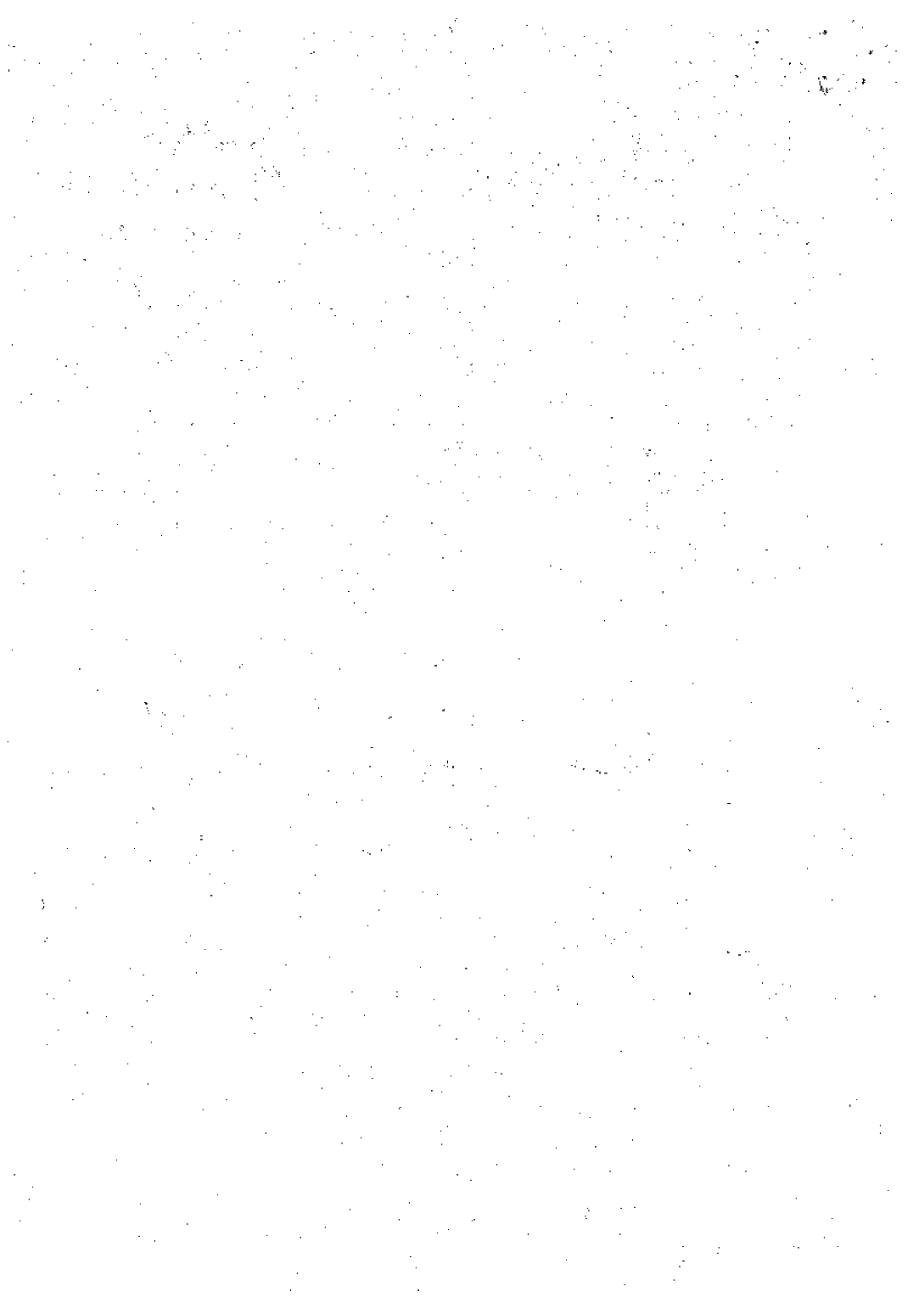
Put their hands on the day and year first above-written.

IN THE PRESENCE OF:

1. Shri/Smt. A.S. PAPNEJA Sl. No. Late Shri Harsukh Rai Papneja
J-81, KALKAJI, N. Delhi - 19
 2. Shri/Smt. YOGESH DHINGRA Sl. No. Late Sh. U. B. DHINGRA
M-54, KALKAJI, NEW DELHI - 19



21/2/2001
 लेखनी सचिव
 सहायक अभियन्ता
 मृदि सवा विकास
 नई दिल्ली



The Document of C/2 1965
 Presented by Sh./Smt. Shanti Dhingra
 S/o, W/o, R/o W/o late Velay Sham Dhingra
 In the office of Registrar
 New Delhi on the 16 day of 16
 between the house of No M-54 Kalkaji N.D.
 Sub. Registrar
 New Delhi
30/5/2001

Declaration submitted by the Said Shanti Dhingra
 and Shri/Smt. Shanti Dhingra
 S/o, W/o Shanti Dhingra
 R/o Shanti Dhingra
 Who in case Identified Shanti Dhingra
 S/o Shanti Dhingra
 Sh Shanti Dhingra
 Witness Shanti Dhingra
 Document Shanti Dhingra
 Sub. Registrar
 New Delhi
30/5/2001
 Lakshmi Chandel L-200 N.D.
 Sub. Registrar
 New Delhi
30/5/2001

Described that the left (as shown
 in the case may be) hand thumb
 impression of the executant has
 been placed in my presence
 Sub. Registrar
 New Delhi
30/5/01

Registered No 4596
 Vol. No. 177-180
 2393
 Sub. Registrar
 New Delhi
30/5/2001

Form-I
CONVEYANCE DEED

This Conveyance Deed made on this the 2nd day of Feb Two thousand one between the President of India, hereinafter called "the Vendor" (which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, be deemed to include this successors in office and assigns) of the one part and Shri/Smt. Shanti Dhingra w/o Late Sh. Uday Bhanu Dhingra R/o M-54, Kalkaji, New Delhi son/daughter/wife/widow of Shri Uday Bhanu Dhingra whereinafter called "the Purchaser(s)" (which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, be deemed to include, his/her/their heirs, administrators, representative and permitted assigns) of the other part.

2. Whereas by an Indenture of Perpetual Lease dated the 30th day of Nov One thousand nine hundred and Sixty Three made between the Vendor described therein as Lessor of the one part and Sh. Bhola Nath S/O Sh. Ganga Ram of Lessee of the other part and registered on 6-1-64 in the Office of the Sub-Registrar Delhi at Serial No 7 in Book No. I Volume No. 123 at pages 3 to 3 (hereinafter referred to as the "said Lease Deed") a piece and parcel of land admeasuring 1 sq Yds. or thereabout situated in Kalkaji, New Delhi and more particularly described in the schedule to the said Lease deed was demised and assured unto Sh. Bhola Nath (hereinafter called "the original lessee") by way of the lease for a period of 99 years subject to the terms & conditions mentioned in the said Lease Deed.

3. AND WHEREAS by mutation / substitution letter No. dated the name / names of Purchaser(s) was/ were lastly mutated and he / she / they has / have been recorded as the Present Lessee(s) under the said Lease Deed with all rights and liabilities of the Lease under the said Lease Deed.

4. AND WHEREAS no person has objected to the mutation/substitution of the names of the Lease above made by the Lessor or has in any other manner claimed to be the successor in interests of the original Lessee or of any other person claiming through the Original Lessee.



Shanti Dhingra

5. AND WHEREAS the vendor herein by a public Notice published in prominent newspapers of Delhi dated 15-4-92 hereinafter referred to as Public Notice, has announced his decision *inter alia*, to grant free hold rights in respect of the lease properties in Delhi/ New Delhi on certain terms & condition therein.

6. AND WHEREAS the Purchaser herein in response to the Public Notice dated 15-4-92 referred to above has /acting through his attorney appointed under Power of Attorney dated applied to the Vendor for grant of free hold rights in respect of the said demised premises by purchasing the rights and interests of the Vendor in the said demised premises and the vendor has agreed to sell all his residuary & reversionary rights and interests in the said demised premises subject to the terms and conditions appearing hereinafter.

7. NOW IN THE PREMISES HEREIN BEFORE THIS INDENTURE witnesses that in consideration of the sum of Rs. 21,673/- (Rupees *Twenty Seven Thousand Six Hundred Seventy Three*) was paid before the execution hereof (the receipt whereof the Vendor hereby admits and acknowledges) and subject to the limitations, covenants and condition mentioned hereinafter the Vendor doth hereby grants conveys, sells, transfers, assigns, releases and assures unto the Purchaser(s) all the residuary reversionary rights, title and interests of the lessor under the said lease Deed in the demised property more fully described in the said Lease Deed as well as in the schedule hereunder together with all remainders, rents issues and profits thereof hereinafter referred to as the said property TO HAVE AND TO HOLD the same unto the Purchaser(s) and for ever, subject always to the exception that the Vendor reserves unto himself all mines, minerals, gold washings, earth oils and quarries of whatever nature lying in or under the said property together with full right and power at all times for the Vendor, its agents and workmen, to do all acts and things which be necessary or expedient for the purpose of searching for, working, obtaining, removing and enjoying the same without providing or leaving any vertical support for the surface of the land or for any building for the time being standing thereon provided always that the Vendor shall make reasonable compensation to the Purchaser(s) for all damages directly occasioned by the exercise of the rights hereby reserved or any of them for damage done unto him, thereby subject to the payment of property tax or other imposition payable or which may become lawfully payable in respect of said property and to all public rights or easement affecting the same.

8. It is further declared that as a result of these presents and subject to the conditions and covenants stated herein above, the Purchaser(s) from the date mentioned hereabove will become owner of the said property and the Vendor doth hereby releases the Purchasers from all future liability in respect of the rent reserved but the covenants and conditions contained in the said Lease Deed required to be observed by the Purchaser(s) as a Lessee of the said demised property.



Shanti Dhingra
Base

9. परन्तु सदैव यह कि क्रेता(ओं) द्वारा यह करार किया जाता है कि यदि बाद में यह पता चलता है कि उक्त पट्टा विलेख के अधीन पट्टेदार के रूप में क्रेता उक्त पट्टा विलेख के अधीन पट्टाकर्ता को किसी रकम का संदाय करने के लिए बाध्य था/थे किन्तु जिसका संदाय इस विलेख के निष्पादन के पूर्व या निष्पादन के समय नहीं किया जा सका था तो विक्रेता का ऐसी रकम के लिए उक्त सम्पत्ति पर प्रथम प्रभार होगा।

10. इस विलेख पर स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रीकरण प्रभार यदि कोई हो, क्रेता(ओं) द्वारा वहन किए जाएंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति की विविधियाँ -----

उत्तर में -----

पूर्व में -----

दक्षिण में -----

पश्चिम में -----

इसके साथ स्वरूप

श्री/श्रीमती ----- क्रेता(ओं)

और

कृत एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से

श्री/श्रीमती -----

नाम एवं पदनाम

भूमि तथा विकास कार्यालय,
राष्ट्रीय विकास एवं गरीबी उपशमन मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली में

ऊपर सर्वप्रथम लिखित तारीख को अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षी :

1. श्री/श्रीमती -----

2. श्री/श्रीमती -----

MA/1.20/1000-2



File No. PS-001/448 dated 13/2/2001
Certified that the stamp is properly
Stamped under the provisions of the Indian
Stamp Act, 1899. 52 of the Indian
Stamp. 1106/2
Total 660/-
dep. 1760/-
R. PS-001/448
date 13/2/2001

Govt. of N. Delhi
Parliament Street, New Delhi
N. Delhi House
N. Delhi 110018

9. PROVIDED ALWAYS and it is hereby agreed by the purchaser(s) that if it comes to light at any later date that Purchaser(s) as Lessee(s) under the said Lease Deed was/were liable to pay any amount to the lessor under the said Lease Deed but payment of which could not be made before or at the time of execution of these presents then for such amount the Vendor will have the first charge over the said property.

10. The Stamp Duty and registration charges, if any, upon this instrument shall be borne by the Purchaser(s).

SCHEDULE

Particulars of property No. M-54, Kalkaji, New Delhi
 Bounded on the North
 Bounded on the East As per Lease Deed
 Bounded on the South
 Bounded on the West

IN WITNESS WHEREOF

Smt/Smt. Shanti

Dhinga Shanti Purchaser(s)

AND

1. Shri/Smt.

Name & Designation

Land & Development Office,
 Ministry of Urban Affairs and Poverty Alleviation,
 Govt. of India, New Delhi
 For & on behalf of President of India.
 Put their hands on the day and year first above-written.

IN THE PRESENCE OF:

1. Shri/Smt. A.S. PALMEJA S/o Late Shri Harsukh Rai Parmeja
I-21, KALKAJI, NEW DELHI - 19
2. Shri/Smt. YOGESH DHINGRA S/o Late Sh. U.B. DHINGRA
M-54, KALKAJI, NEW DELHI - 19



12/2001
 सहायक कमिश्नर
 मृत्ति तथा विकास
 नई दिल्ली

The Document of 48 14.65
 Presented by Sh./Smt. Shanti Dhangra
 S/o. W/o. late Velay Shan Dhangra
 In the office of Registrar
 New Delhi on 11
 Between the house No M-54 Malkaji ND.
 Sub. Registrar
 New Delhi
 30/5/2001

Shanti Dhangra

Declaration executed by the Smt. Shanti Dhangra
 and Shri/Smt. Shanti Dhangra
 S/o. W/o. late Velay Shan Dhangra
 R/o. late Velay Shan Dhangra
 Who is/are In possession
 S/o. late Velay Shan Dhangra
 Sh. late Velay Shan Dhangra
 Witness late Velay Shan Dhangra
 Document late Velay Shan Dhangra
 Industrial late Velay Shan Dhangra



Sub Registrar
 New Delhi
 30/5/2001

Having late Velay Shan Dhangra document was
 duty late Velay Shan Dhangra
 in his official late Velay Shan Dhangra
 signatures are late Velay Shan Dhangra
 admitted for late Velay Shan Dhangra

Sub Registrar
 New Delhi
 30/5/2001

Described that the left (as shown
 in the case may be) hand thumb
 impression of the encoutant has
 been late Velay Shan Dhangra in my presence.

Sub Registrar
 New Delhi
 30/5/2001

Registered No. 4596 in additional Book No. 177-180
 Vol. No. 2393
 In this late Velay Shan Dhangra
 and left thumb impression late Velay Shan Dhangra has been late Velay Shan Dhangra

Sub Registrar
 New Delhi
 30/5/2001

Shanti Dhangra

